गूँज..

GOONJ.. a voice, an effort

www.goonj.org

गूँज फ़ेलोशिप

1.यह फ़ेलोशिप जरुरी क्यों है**?**

उत्तर: यदि आपको अपने आस-पास की कुछ चीजें परेशान करती हैं, चाहे वो हमारी शिक्षा प्रणाली हो, महिलाओं की सुरक्षा हो या फिर सड़कों पर पड़ी गंदगी ही क्यों ना हो. यह फ़ेलोशिप आपको न केवल शहरी और ग्रामीण परिप्रेक्ष्य को समझने का एक अनूठा अवसर प्रदान करती है, बल्कि आपको ज़मीनी स्तर की समस्याओं पर कुछ कार्य करने का भी अवसर प्रदान करेगी. इसके साथ ही ये फेलोशिप आपके अंदर समस्याओं के प्रति सही नज़रिया, समझ और आपके अंदर की ताकत को मजबूती प्रदान करने का काम करेगी.

गूँज ने पूरे भारत में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में काम करते हुए अपनी जड़ों को मजबूत किया है, गूँज समर्थ है आपको शहरी एवं ग्रामीण मुद्दों का व्यापक अनुभव प्रदान करने में, आपको अपने स्वयं के विचारों और योजना को डिजाइन करने और निष्पादित करने के लिए आवश्यक संसाधनों की पूर्ति करने में।

गूँज का प्रयास है कि आप सोचने की विधा की तरफ से करने की विधा की ओर अपना ध्यान करें

गूँज के संस्थापक अंशु गुप्ता का कहना हैं कि *"इस दुनिया को अब और विचारकों की आवश्यकता नहीं है अब हमें काम करने वालों की जरूरत है"*

फ़ेलोशिप का उद्देश्य आपके मापदंडो, मान्यताओं पर सवाल करना, आपकी मानसिक और भौतिक समर्थों को निखारना, और आपका चहुमुखी विकास करना है. यहां आपके पास एक सुनहरा मौका है जमीन से जुड़े हुए कुछ नये विचारों को देखने-समझने, अनुभव करने का।

इस तरह आप ये फ़ेलोशिप एक बेहतर कल की उम्मीद के साथ पूरा कर सकते हैं,

हमें पूरा यकीन है कि इस अनुभव को आप गंवाना नहीं चाहेंगे.

2. यह फ़ेलोशिप क्या है और यह मेरे करियर के लिए कितनी महत्वपूर्ण है**?**

उत्तर: गूँज फ़ेलोशिप हमारा युवाओं के साथ गहराई से जुड़ने का एक माध्यम है। हम ऐसे लोगों की तलाश कर रहे हैं जो अपने समाज की परिस्थितियों को देख चुके हैं और कुछ करने के लिए तैयार हैं। यह फ़ेलोशिप वास्तविक जीवन की चुनौतियों के साथ जुड़ने, कार्य और समय के महत्व, नए अनुभवों, शहरी और ग्रामीण भारत की वास्तविकताओं को जानने के बारे में है.

यह पाठ्यक्रम आपको गूँज के काम के बारे में गहराई से जानकारी देता है, जिसे विशेष रूप से आपमें विशिष्ट कौशल और मूल्यों के निर्माण को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है जिन पर हमें गर्व है।

- आपको गूँज के एक देशव्यापी अभियान- जॉय ऑफ़ गिविंग विक (दान उत्सव) में शामिल किया जायेगा जिसमें आप योजनाओं की रणनीती, लोगों तक पहुँच बनाने एवं उनके साथ मिल कर काम करने जैसे अनुभवों से वाकिफ होंगे इसके साथ ही आपको गूँज की कार्य प्रणाली एवं प्रमुख उद्देश्यों जैसे की- शहरी व ग्रामीण असमानताओं को कम करने, स्थानीय-पारंपरिक ज्ञान की महत्ता एवं विकास के लिए जमीनी स्तर से शुरुआत करने में मजबूत विश्वास आदि को गहराई से समझने का अवसर मिलेगा।

• आपको मासिक धर्म, स्वास्थ्य और स्वच्छता, उपेक्षित शहरी और ग्रामीण समुदायों, आपदा प्रबंधन, संचार, आंतरिक और बाहरी अभियानों / बातचीत के लिए मीडिया तथा अन्य रणनीतियों सहित विभिन्न विषयगत कार्यक्षेत्रों पर एक अनुभवी टीम के साथ मिलकर काम करने का अवसर मिलेगा.

• फ़ेलोज को जमीनी स्तर पर गूँज द्वारा संचालित कार्यक्रमों में शामिल किया जायेगा जहाँ संस्था के प्रमुख उद्देश्यों में से एक 'स्थानीय व पारंपरिक ज्ञान' के महत्व को समझने का बढ़िया अवसर मिलेगा।

• आपको गूँज के काम से जुड़े किसी शहरी या ग्रामीण मुद्दे पर एक समयबद्द योजना बनाकर काम करने का अवसर मिलेगा. इस कार्य में आपको गूँज टीम के उन सदस्यों के मार्गदर्शन शामिल होगा जिनकी विषयगत कार्यों / परियोजनाओं में विविध पृष्ठभूमि के साथ दक्षताएं हैं।

• सेल्फ एक्सप्लोरेशन चरण: यह चरण आपको स्वयं के विचारों, उन रूचि क्षेत्रों की पहचान जिसको लेकर आप जूनून महसूस करते हैं तथा डोमेन्स के दृष्टिकोणों को नया आयाम देगी।

कृपया ध्यान दें**:** यह एक व्यापक गतिशील फेलोशिप का पाठ्यक्रम है, गूँज फ़ेलोशिप के दौरान इसमें आवश्यकतानुसार बदलाव का अधिकार रखता है।

3. फ़ेलोशिप कैसे काम करेगी**?**

उत्तर:

- ये फ़ेलोशिप केवल 12 महीने के लिए ही है।
- फेलोशिप में आपको साल भर में 20 अवकाश + राष्ट्रीय अवकाश मिलेंगे।

- फ़ेलोशिप में आपको 20000 रुपये से 22000 रुपये प्रति माह वृत्ति मिलेगी जो कि शहर के आधार पर तय की जाएगी।

4. हमारा गाँवों की यात्रायें कैसी होंगी**?** क्या हमें गाँवों में जा कर खुद से काम करना होगा**?** हमारी सुरक्षा का क्या**?**

उत्तर: आपकी ग्रामीण यात्राएं पूरी तरह से योजनाबद्ध होगी आपको ऐसे क्षेत्रों में भेजा जाएगा जहां गूँज सीधे तौर पर काम कर रही है या फिर पूरे भारत में गूँज से जुड़ी जमीनी स्तर की संस्थाएं जहां कार्य कर रही हैं वहाँ यात्रा सुनिश्चित की जाएगी। आपके साथ-साथ हमारे सभी साथियों की सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता है। हम किसी भी स्थिति में इसे नज़रअंदाज नहीं करेंगे. हमारी टीमें हर समय इस बात का खयाल रखेंगी, लेकिन फिर भी अगर आपके मन में किसी तरह के सवाल हैं तो आप साक्षात्कार के दौरान हमें बता सकते हैं।

5. हमारा गाँवों के संबंध में अनुभव कैसा होगा **?**

ग्रामीण अनुभव को मुख्य तौर पर दो चरणों में बांटा गया है। पहले में, फेलोज को पानी, स्वच्छता, बुनियादी ढांचे, शिक्षा, मासिक धर्म स्वच्छता और आजीविका पर प्रभाव वाले क्षेत्रों में गहन अंतर्दृष्टि देने के लिए एक 'एक्सपोजर विजिट' कराया जायेगा। अगले चरण में, फेलो गूँज के काम से मिली अंतर्दृष्टि के आधार पर एक परियोजना तैयार करेंगे. ये प्रस्ताव हम विशेषज्ञों के एक पैनल के सामने रखेंगे जिनकी सहायता से इसे और बेहतर बनाया जाएगा, जिसके बाद फेलोज को योजनाओं को लागू करने का मौका मिलेगा वे गूँज टीम के साथ विषय पर साथ मिलकर काम कर सकेंगे।

6. अगर मुझे किसी कारण से फ़ेलोशिप बीच में छोड़ना पड़ा तो क्या होगा**?**

यदि आप फ़ेलोशिप को अवधि पूर्ण होने के पहले छोड़ते हैं तो आपको किसी भी प्रकार का कोई भी प्रमाण पत्र नहीं प्राप्त होगा. इसके अलावा फ़ेलोशिप की 6 माह की एक 'लॉक इन' अवधि है इस बीच यदि आप छोड़ते हैं तो आपकी एक माह की फ़ेलोशिप राशि भी वापस ली जायेगी। केवल स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थिति में विषय विचार योग्य होंगे।

7. क्या यह एक आवासीय कार्यक्रम है**?**

उत्तर**:** नहीं, यह आवासीय कार्यक्रम नहीं है।

आवेदन प्रक्रिया

8. मैं फ़ेलोशिप के लिए कैसे आवेदन कर सकता/सकती हूँ**?** इसकी क्या प्रक्रिया**(**आवेदन पत्र**,** साक्षात्कार**)**होगी।

उत्तर**:**

पहला चरण**:** आप आवेदन पत्र ऑनलाइन भर सकते हैं। आवेदन से पहले पात्रता मानदंड एवं अक्सर पूछे जाने वाले सवाल ध्यान से पढ़ लें।

दूसरा चरण**:** चयनित आवेदकों को चयन प्रक्रिया के दूसरे चरण के लिए संपर्क किया जायेगा।

तीसरा चरण**:** अंतिम दौर में साक्षात्कार के लिए दूसरे दौर से चयनित आवेदकों को बुलाया जाएगा।

9. क्या इस फ़ेलोशिप के आवेदन के लिए कोई आयु**-**सीमा निर्धारित है**?**

उत्तर**:** ये फ़ेलोशिप 21 से 30 वर्ष के आवेदकों के लिए है, अर्थात 1 जुलाई, 2021 तक आपकी उम्र अधिकतम 30 साल होनी चाहिए।

10. आवेदन के लिए पात्रता मापदंड/योग्यता क्या है**?**

उत्तर**:**

1) न्यूनतम योग्यता – किसी भी विषय में स्नातक अनिवार्य।

2) केवल भारतीय नागरिकों के लिए ही।

11. अगर मैने पहले से ही गाँधी फ़ेलोशिप**,** भारत फ़ेलोशिप या कोई और फ़ेलोशिप की है**,** तो क्या मैं फिर भी आवेदन कर सकता/सकती हूँ**?**

उत्तर**:** समाज कार्य, कला क्षेत्र व उद्यमिता से संबंधित किसी भी पृष्ठ भूमि से आने वाले लोग इस फ़ेलोशिप के लिए आवेदन कर सकते हैं, निश्चित तौर पर यदि आपने गाँधी फ़ेलोशिप, टीच फ़ॉर इंडिया फ़ेलोशिप जैसे अन्य प्रतिष्ठित फ़ेलोशिप की हैं, तो वह भी आवेदन कर सकते हैं लेकिन उन्हें इसका कोई अतिरिक्त लाभ अथवा तरजीह नहीं दी जायेगी

12. इस फ़ेलोशिप के मैं किन जगहों के लिए आवेदन कर सकता/सकती हूँ**?**

गूँज वर्तमान में 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सुदूर ग्रामीण इलाकों में गहनता से कार्यरत है. साथ ही दिल्ली, कोलकाता, बैंगलोर, हैदराबाद, ऋषिकेश, चेन्नई, कोच्चि और मुंबई शहर में गूँज के कार्यालय हैं। आवश्यकता के आधार पर आपको इनमें से किसी भी स्थान पर रखा जा सकता है।

13. कुछ महत्वपूर्ण बिंदु**..**

- आप फ़ेलोशिप के दौरान कोई ऑनलाइन या ऑफलाइन कोर्स नहीं कर सकते हैं.

- आप फ़ेलोशिप के दौरान किसी शहर या गांव में, कुछ समय या लंबे समय तक के लिए भेजे जा सकते हैं.

- फेलोशिप के दौरान आप जिन मुद्दों और विचारों पर काम करना चाहेंगे, उन्हें गूंज द्वारा चलायी जा रही परियोजनाओं के साथ संबद्ध किया जायेगा।-

- अगर आपके पास कोई और विचार है जिसे आप अपने जीवन में करना चाहते हैं, कृपया इसे आवेदन और साक्षात्कार में शामिल करें , गूँज समर्थन की संभावनाओं के लिए प्रयास करेगा।